AtmArpaNam

आत्मार्पणम्

Document Information

Text title : AtmArpaNam

File name : AtmArpaNam.itx

Category : devii, aShTaka

Location : doc_devii

Author : Durgaprasad DvivedI

Transliterated by : Rajani Arjun Shankar

Proofread by : Rajani Arjun Shankar

Latest update : December 10, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanskript**.

December 10, 2020

sanskritdocuments.org

आत्मार्पणम्

अपार-कारुण्य-सुधा-समुद्र-रिङ्गत्तरङ्गावलि-लीनचेताः ।
वन्दारु-वृन्दार्थित-कल्पवल्लि ! दुर्गा-प्रसादस्य गतिस्त्वमेका ॥ १॥

असीम-सारल्य-लता-प्रतान-विजृम्भणोद्यान-विशाल-सीमा ।
निःशेष-भक्तार्ति-विनाश-शीले ! दुर्गा-प्रसादस्य गतिस्त्वमेका ॥ २॥

उदार-चारित्र-विकाश-गन्ध-सञ्चारणाडम्बर-रोदसीका ।
हृद्यावदानोत्कर-भासमाने ! दुर्गा-प्रसादस्य गतिस्त्वमेका ॥ ३॥

संसार-दावानल-दीनभक्त-प्रसादनैकामृत-पूर-पूर्तिः ।
उपासक-प्रीणन-बद्धकक्षे ! दुर्गा-प्रसादस्य गतिस्त्वमेका ॥ ४॥

दौर्भाग्य-तूल-ज्वलनायमान-सहस्रनाम-श्रवणार्द्र-चित्ता ।
निसर्ग-सौभाग्य-विसर्ग-निष्ठे ! दुर्गा-प्रसादस्य गतिस्त्वमेका ॥ ५॥

क्लिश्यत्-कवित्व-व्रतती-वितान-प्रकाशनानभ्र-नभस्यवृष्टिः ।
समुच्छलद्-भक्ति-विशेष-तुष्टे ! दुर्गा-प्रसादस्य गतिस्त्वमेका ॥ ६॥

दृक्पात-मात्रार्पित-साध्यसिद्धि-निषेवणानन्दित-साधकेन्द्रा ।
वदान्य-सीमायित-चित्तवृत्ते ! दुर्गा-प्रसादस्य गतिस्त्वमेका ॥ ७॥

पद्मासनोपेन्द्र-महेन्द्र-मौलि-मन्दार-मालाङ्कित-पादपीठा ।
मातः ! शिशूक्ति-श्रवण-स्वभावे ! दुर्गा-प्रसादस्य गतिस्त्वमेका ॥ ८॥

सेवासक्त-सुरासुरावलि-शिरो-माल्यान्तराल-स्खल-
द्धूली-धूसर-पादपीठ-विलुठत्-सौभाग्य-सीमायिते ! ।
निर्व्याज-स्थिर-भक्तियोग-सुलभे ! मातस्तवाराधने
चेतो मेऽनिशमुद्गताधिक-रसं वैपुल्यमालम्बताम् ॥

इति श्रीदुर्गाप्रसादद्विवेदीविरचितं आत्मार्पणं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and Proofread by Rajani Arjun Shankar

AtmArpaNam

pdf was typeset on December 10, 2020

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*